भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *413

28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत गोरखपुर में स्वास्थ्य सुविधाएं

***413. श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की स्थिति क्या है;

(ख) सरकार द्वारा उक्त जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या सरकार ने गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में सचल चिकित्सा इकाइयां और टेलीमेडिसिन सेवाएं शुरू की हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त जिले के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता की स्थिति क्या है; और

(ङ) स्वास्थ्य सेवा की सुलभता की स्थिति में सुधार पर उक्त मिशन का क्या समग्र प्रभाव पड़ा है और गोरखपुर में इसके क्या परिणाम रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

28 मार्च, 2025 **के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं.** 413 **के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क): हेल्थ डायनेमिक्स ऑफ इंडिया (एचडीआई) के अनुसार, 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में 595 ग्रामीण उप-केंद्र, 66 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), 23 शहरी पीएचसी, 21 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), 2 जिला अस्पताल और एक मेडिकल कॉलेज हैं। स्वास्थ्य राज्य का विषय है, और स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों को बेहतर बनाने का उत्तरदायित्व संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार का है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों की कमी को पूरा करता है।

(ख): भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के माध्यम से गोरखपुर जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और परिणामों में सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को लागू किया है। मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) को कम करने के लिए इन पहलों में जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई), जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके), सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन), प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए), माताओं का पूर्ण स्नेह (एमएए), मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग की स्थापना, जन्म प्रतीक्षा गृह (बीडब्ल्यूएच), एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी), सुविधा आधारित नवजात परिचर्या, कंगारू मदर केयर (केएमसी), नवजात और छोटे बच्चों की समुदाय आधारित परिचर्या, स्टॉप डायरिया पहल, पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), और सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) शामिल हैं।

(ग): विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) और टेली-परामर्श सेवाएं लागू की गई हैं। दिनांक 30 जून, 2024 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 170 एमएमयू हैं, जिनमें से 5 एमएमयू गोरखपुर जिले में कार्यरत हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) ई-संजीवनी टेली-परामर्श सेवाएं प्रदान करता है, जो सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), चिकित्सा अधिकारियों और माध्यमिक और विशिष्ट केंद्रों के विशेषज्ञों को जोड़ता है। दिनांक 11 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, कुल 7,99,927 टेली -परामर्श आयोजित किए गए हैं, इसके लिए गोरखपुर जिले में 462 स्पोक्स और 80 हब संचालित हैं।

(घ): उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गोरखपुर के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्य व्यावसायिकों की उपलब्धता की स्थिति निम्नानुसार है:

पद		**पद-धारित**
डॉक्टर (विशेषज्ञों सहित)	नियमित	124
	संविदात्मक	80
	कुल	204
फार्मेसिस्ट	नियमित	137
	संविदात्मक	36
एक्स-रे तकनीशियन, वरिष्ठ/लैब तकनीशियन, लैब सहायक	नियमित	91
	संविदात्मक	43
स्टाफ नर्स, स्टाफ नर्स जेई, एईएस	नियमित	57
	संविदात्मक	292
एएनएम	नियमित	438
	संविदात्मक	253
सीएचओ	संविदात्मक	460
आशा कार्यकर्ता	स्वयंसेवक	4057

(ङ): एनएचएम ने गोरखपुर जिले में जन स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष 2005-06 में अपनी शुरुआत के बाद से, एनएचएम ने मानव संसाधनों के विस्तार, गंभीर स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान और स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए एकीकृत कार्रवाई को बढ़ावा देने में पर्याप्त प्रगति की है। उत्तर प्रदेश में प्रमुख संकेतक सकारात्मक रुझान दिखाते हैं जो **अनुलग्नक** में दिए गए हैं।

अनुलग्नक

एनएचएम की स्थापना के बाद से उत्तर प्रदेश में प्रमुख संकेतकों का प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश राज्य में नवजात, शिशु और बाल मृत्यु दर की स्थिति			
वर्ष	**नवजात मृत्यु दर (एनएमआर)**	**शिशु मृत्यु दर (आईएमआर)**	**5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर)**
2005	45	73	उपलब्ध नहीं
2006	46	71	उपलब्ध नहीं
2007	48	69	उपलब्ध नहीं
2008	45	67	91
2009	45	63	85
2010	42	61	79
2011	40	57	73
2012	37	53	68
2013	35	50	64
2014	32	48	57
2015	31	46	51
2016	30	43	47
2017	30	41	46
2018	32	43	47
2019	30	41	48
2020	28	38	43
स्रोत: नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस)			

*****